श्री सभापतिः इस पर कोई बोल ले। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस.अहलुवालियाः सर, पहले यह मामला श्री दिग्विजय सिंह जी ने उठाया है। पहले उनको बोलने का मौका मिलना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराजः सर, तारीख तय कर दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसुः सर, अगर अहलुवालिया जी तय करेंगे कि कौन, कब बोलेगा, तो चेयर का क्या मतलब है? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः सबसे पहले नोटिस श्री दीपांकर मुखर्जी का आया है । ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस.अहलुवालियाः सभापति महोदय, पहले मामला श्री दिग्विजय सिंह ने उठाया है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... सब कुछ उठा है। ...(**व्यवधान**)... आपकी मर्जी है। ...(**व्यवधान**)... पहले दीपांकर मुखर्जी बोलेंगे। ...(**व्यवधान**)...

MATTER RAISED WITH PERMISSION OF CHAIR

Reduction in the interest rate on the Employees Provident Fund deposits

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal): Sir, it is a tough time for the working class. *(Interruptions)* सर, साढ़े चार करोड़ मजदूरों के लिए ...(**व्यवधान**)... सुन तो लो। ...(**व्यवधान**)...

डा.छत्रपाल सिंह लोधा (उड़ीसा)ः सर, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बैठ जाओ न। आप बोलने दीजिए। बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...दीपांकर मुखर्जी।

श्री दीपांकर मुखर्जीः सभापति महोदय, साढ़े चार करोड़ मजदूरों की तरफ ये ...(**व्यवधान**)...मुझे यह कहते हुए बहुत दुख होता है कि यह जो जून 2000 से चल रहा है, 12 परसेंट से कल की जो घोषणा हुई है, उसमें साढ़े आठ परसेंट ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बैठिए। आप चुप नहीं रहेंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जीः सर, सरकार किसी की हो। हमें चाहिए, 12 परसेंट। ...(**व्यवधान**)... सरकार किसी की हो, हमें 12 परसेंट चाहिए। 12 परसेंट से 9.5 परसेंट हुआ, उसके बाद कल यह डिसीजन हुआ, सीबीटी का, सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज का 8.5 ...(**व्यवधान**)... I want to give a very friendly warning to the hon. Prime Minister and to this Government. *(Interruptions)*

श्री एस.एस.अहलुवालिया (झारखंड)**:** वार्निंग भी फ्रेंडली होती है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापतिः बोलने दीजिए। दिक्कत क्या है? ...(**व्यवधान**)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, from 12 per cent, the rate of interest has come down to 9.5 per cent, that is why these people are sitting there. *(Interruptions)* I wish that this Government do not come to that position and disrupt the House everyday.

Sir, I also want to say that today thousands of workers from the unorganised sector are organising a rally against this decision at the Jantar Mantar. They want that all their social security rights to be ensured through a legislation. So far as provident fund is concerned, under no circumstances it should be brought down from 9.5 per cent to 8.5 per cent because then this Government will be charged with the same type of acts of omission which had been conducted by the previous Government.

SHRI N. JOTHI (Tamil Nadu): You withdraw the support. *[Interruptions)* You withdraw the support.

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): We are not like you. *[Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: I will allow you. *[Interruptions)* श्री दिग्विजय सिंह। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, सबको बुला दूंगा।

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड)**:** सभापति जी, जब मैंने प्रश्न काल के समय में आपका ध्यान इस ओर खींचा था कि मुझे इस बात पर बोलने की इजाजत दी जाए तो मैं इसी बात को ध्यान में रखकर अपनी बात कहना चाहता था कि यह सदन देश के सौ करोड़ लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है और जिस तरह से इस देश के मजदूरों का हित दिन-प्रतिदिन छीना जा रहा है, उससे यह सदन अपने को और मेरे जैसे व्यक्ति अपने को इस सदन के माध्यम से देश के साथ जोड़ना चाहते हैं ...(**व्यवधान**)... हमारे मित्रों ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः बोलने दीजिए, बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंहः सभापति जी, मैं आपके माध्यम से सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि हमारे वामपंथी साथियों ने कहा कि हमने इसको साढ़े 12 परसेंट से साढ़े 9 कर दिया था। यह बात सही है। शरद यादव जी उस सरकार में लेबर मिनिस्टर थे, वे यहां बेठे हुए हैं। हम इतना ही कहना चाहते हैं कि अगर साढ़े 12 परसेंट से साढ़े 9 परसैंट किया गया तो उस समय एक तर्क यह दिया गया था कि प्राइस इनफ्लेशन दो प्रतिशत पर था। अब प्राइस इनफलेशन छःप्रतिशत पर है और ऐसे समय में अगर सरकार इसको और नीचे करती है तो इसमें किसका, आप हमको गाली

*Expunged as ordered by the Chair.

दे सकते हो ...(**व्यवधान**)... लेकिन हित तो एक ही है। मेरे मित्र सीताराम येचुरी जी बैठे हैं, हमेशा कहते हैं कि मैं बार्किंग डॉग नहीं बाइटिंग डाग बनूंगा। कब ये बाइटिंग डाग नहीं, बाइटिंग डाग बनेंगे? ...(**व्यवधान**)... मुझको कृपया ...(**व्यवधान**)... मजदूरों का हित किया जाए और आप बैठे * ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बोलने दीजिए। क्या बात है यह? ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंहः यह सदन *देखे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सीताराम येचुरी (पश्चिमी बंगाल)ः सर, क्या आपकी अनुमति है? मेरा नाम लिया गया है।

श्री सभापतिः मेरी तरफ से तो अनुमति है। ...(**व्यवधान**)... मेरी तरफ से अनुमति है।

श्री दीपांकर मुखर्जीः सर, इनका नाम लिया गया है।

श्री सीताराम येचुरीः माननीय दिग्विजय सिंह जी को मैं यही कहना चाहूंगा कि ...(**व्यवधान**)...

श्री रूद्रनारायण पाणि (उड़ीसा)ः सर, मेरा नाम है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः माननीय सदस्य, आप अग यही चाहते हो कि आप ही बोलें और दूसरा नहीं बोले तो फिर हाउस चलाने की आवश्यकता नहीं है। ...(**व्यवधान**)... एक आदमी जब बोल रहा है तो उसे बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... आप सब हाथ हिलाते हैं। ...(**व्यवधान**)... बोलने दीजिए। आप बोलेंगे तो आपको भी अनुमति मिलेगी, इनको भी अनुमति मिलेगी, उनको भी मिलेगी लेकिन किसी को बोलने तो दीजिए, ...(**व्यवधान**)...

श्री सीताराम येचुरीः सर, माननीय दिग्विजय सिंह जी ने हमारा नाम लेकर कहा कि हम कब काटेंगे? भौंकते ही रहेंगे, काटेंगे कब? बार्किंग डाग है या बाइटिंग? यह उनका इल्जाम था जो अभी उन्होंने लगाया। अब लग रहा है कि उनको ज्यादा उत्सुकता है और वे इंतजार मे हैं कि हम कब काटेंगे। वे तो खुद सत्ता में नहीं आ सकते। ...(व्यवधान)...हमारे काटने ...(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंहः आप भी आ जाइए न ...(**व्यवधान**)...

श्री सीताराम येचुरीः हम यही कहना चाहेंगे कि आज मजदूर वर्ग के बारे में चिंता दिखाइए, उनकी ईपीएफ को बढ़ाने की बात करिए। इस बात के लिए आप वेट मत करिए कि हम कब काटेंगे क्योंकि अगर इसके लिए वेट करनी है तो आपको पांच साल गुजारने पड़ेंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंहः मुझे खुशी है कि सीताराम येचुरी ने अपनी भूमिका ...(**व्यवधान**)...मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि ...(**व्यवधान**)... मुझे इस बात की खुशी है कि आप पांच साल ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः देखिए ...(**व्यवधान**)... आप उनको बोलने तो दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री सीताराम येचुरीः सर, हमें कंप्लीट करने दिया जाए। ...(**व्यवधान**)... हमें कंप्लीट करने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... सर, जब काटने की बात आएगी, तो इंजैक्शन लगेंगें और वह बीमारी सुधर जाएगी। ऐसा हुआ है और ऐसा बी.एच.ई.एल. के सवाल पर हुआ। जब हमने काटा, तो सरकार ने हमारी बात मान ली और उसके लिए सहमति है। तो हम चाहते हैं कि उसकी चिंता ये लोग न करें। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः ठीक है, ठीक है, हो गया। ...(**व्यवधान**)... श्री मधु, बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंहः सभापति जी, प्रधान मंत्री जी तो चले गए। ...(**व्यवधान**)...

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): सभापति जी, मैं यह कहना चाहूंगा कि आदरणीय दिग्विजय सिहं जी का जो लेबर पेन है, वह लेबर पेन केवल दिखावा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस.अहलुवालियाः आप तो ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः कुछ रिकार्ड पर नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)... मेरी अनुमति के बिना जो बोलेंगे, वह रिकार्ड पर नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)... सब बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... मेरी अनुमति के बिना जो बोलेगा, वह रिकार्ड पर नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)... वह रिकार्ड पर नहीं गया है। ...(**व्यवधान**)... बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... दीपांकर जी, उनको बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... बोलिये।

SHRI PENUMALLI MADHU (Andhra Pradesh): Sir, whenever labour issues or the issues of mass of people, the toiling sections of the people come out, they are relegated to the background. I am very much concerned about the issue because, yesterday, the Government decided to bring down the interest rate on EPF from 9.5 per cent to 8.5 per cent.

Today, crores of people in India are demanding for social security. Today, 20,000 people are demonstrating in front of the Parliament building; they are all people from the unorganised sector asking for social security.

Earlier, the Government had decreased the interest rate from 12.5 per cent to 9.5 per cent. Again when it was decreased to 8.5 per cent, we questioned the Government, we demanded the Government to enhance it and it was enhanced to 9.5. Now, just like the earlier Government, this Government also is trying to bring it down, back to 8.5 per cent. We are very much opposing it. When it was the NDA Government in power, they had taken a stand, and when it was defeated, it is taking a different stand.

No principle stand. If the Government is adopting the same policy, we are very much opposed to it. Our demand is that {lie Government of India should reconsider its stand on bringing back the EPF interest rate " to 9.5 percent.

Sir, it is the toiling sections of India, they are the real creators of wealth and for them, if the Government says there are no funds to give them proper rate on the EPF, it is not correct. Huge amounts of funds are there and they can be tapped. All unorganised workers are demanding for social security legislation. In this connection, I request through you, Sir, the Government to see to it that the interest rate is brought back to 9.5 per cent, as also to see to it that a legislation for the workers of the unorganised sector is brought forth immediately. Thank you.

श्री रुद्रनारायण पाणिः सभापति महोदय, भले ही प्रधानमंत्री जी चले गए, लेकिन आप इस देश के, लोकतंत्र के नेता हैं। महोदय, यह मजदूरों का सवाल है, यह सत्ता का विषय नहीं है । जो लोग यह कहते हैं कि पांच साल बाद, आज कम से कम पांच साल नहीं है। उनको यह समझना चाहिए कि 60 महीने में से 19 महीने जा चुके हैं। जो लोग, यह कहते हैं कि यह नीति की बात है। हमने अपने एन डी ए के समय में जो कुछ किया था, आज उसमें परिवर्तन हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... इस देश में जो लोग विरोध करते थे ...(**व्यवधान**)... और बाद में कैसे भी हो, सत्ता में रहने के लिए हाथ थाम लिया है, ...(**व्यवधान**)... कांग्रेस का समर्थन दे रहे हैं, जो नीति का परिवर्तन करता है विषय यह है कि ...(**व्यवधान**)... जिन्होंने लेबर मिनिस्टर को बोला था कि आज भी ट्रस्ट में जितना पैसा है, मजदूरों का जो पैसा है, उसमें से ...(**व्यवधान**)... करके आज भी साढ़े नौ प्रतिशत किया जा सकता है। कर्नाटक के एक सीनियर मैम्बर हैं ...(**व्यवधान**)... में उन्होंने कहा था और मंत्री जी ने एक प्रकार की जिम्मेवारी दी थी कि आप कुछ होम वर्क करिए, किन्तु आपको PMO मेंम कई होम वर्क करने वाले हैं, दुर्भाग्य की बात है कि आज तक मेंE.P.I. में ...(**व्यवधान**)... कुछ नहीं किया ...(**व्यवधान**)... PMO के होम वर्क करने वाले वे महोदय कलीग हैं ...(**व्यवधान**)... उनको लेबर सैक्रेटरी का ...(**व्यवधान**)... हमारी सरकार के समय साढ़े नौ परसेंट हुआ था, लेकिन आप कहते हैं। 12 परसेंट। आप 12 परसेंट करवाकर देखिए। हम भी यह मांग करते हैं कि 12 परसेंट होना चाहिए। भारतीय जनाता पार्टी में, NDA में भी कई लोग मजदूरों की भलाई चाहने वाले हैं, उनका हित चाहने वाले हैं, उनका काम करने वाले हैं, उनका नेता बनने वाले बहुत से लोग हैं। आप अगर 12 परसेंट करते हैं तो हम 12 परसेंट को समर्थन दे रहे हैं। हम भी इसकी मांग कर रहे हैं, किन्तु हमने 12 परसेंट नहीं कर के साढ़े नौ परसेंट कर पाए थे, इसके लिए देश के मतदाता 2004 के चुनाव में अपनी राय दे चुके हैं। अगर आप उसके ऊपर वाह-वाही लेते रहेंगे कि NDA ने गलत किया था, तो इसी बीच बिहार में भी मतदान हो चुका है। बिहार में आपका क्या हुआ, इस पर आप थोड़ा सोचिए। NDA यह कर रहा था, आप इसको

बार-बार दोहराकर मजदूरों के साथ धोखाधड़ी मत करिए। मजदूरों के हितों के साथ बेइमानी मत करिए। आप इसको कम से कम साढ़े नौ परसेंट तो कराइए। इस देश के सबसे बड़े मजदूर संगठन भारतीय मजदूर संघ की भी यह मांग है। मैं C.B.T.के जिन मैम्बर का जिक्र कर रहा था, वे भारतीय मजदूर संघ के सदस्य हैं। इसलिए भगवान के नाम से आप मजदूरों के पेट पर लात मत मारिए और अब इसको साढ़े नौ परसेंट ही कर दीजिए।

श्री सभापतिः अभी तक आप बहुत अच्छे बोले हो और भविष्य में भी अच्छा बोलने के लिए अगर व्यवहार में ठीक रहे तो आप बहुत अच्छे वक्ता बन जाओगे। आप इनके चक्कर में मत आओ ...(**व्यवधान**)...

श्री आनन्द शर्मा (हिमाचल प्रदेश)**:** चेयरमैन सर, एक बड़ी गंभीर बात है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः अक मिनट, एक मिनट। ...(**व्यवधान**)... जो गंभीर बात है, ...(**व्यवधान**)... ऊपर ...(**व्यवधान**)... मैं किसी को एलाऊ नहीं कर रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... अगर आप मेरी बिना परमिशन के बोलेंगे तो कोई रिकार्ड नहीं होगा, कोई रिकार्ड नहीं हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... मैं आपका जवाब दिलवा रहा हूं। मैं बुलवा रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... कोई रिकार्ड नहीं हो रहा कोई रिकार्ड नहीं होगा। ...(**व्यवधान**)... आप लोग ठहरिए, ठहरिए। ...(**व्यवधान**)...आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)... मैंने केवल उनको एलाऊ किया है, कोई और बोलेगा तो वह रिकार्ड पर नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)... कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा। आप बोलिए।

श्री शाहिद सिद्दीकी (उत्तर प्रदेश)**:** सर, आज ...(**व्यवधान**)... आम आदमी ...(**व्यवधान**)... किए जा रहे हैं। सभापति जी, विकास ...(**व्यवधान**)... नहीं हो सकता। अगर देश का हित चाहिए तो आपको गरीब को, मजदूर को साथ लेकर चलना पडेगा ...(**व्यवधान**)... अगर पी.ए.एफ. को मार्किट फोर्सेज के साथ जोड़ेंगे तो मैं समझता हूं कि हमारे जैसे गरीब देश विकास नहीं हो सकता ...(**व्यवधान**)... हमें मार्किट फोर्सेज से अलग रखकर सोशल सिक्योरिटी के सवाल को लेकर और इस बात को लेकर कि किस तरीके से ...(**व्यवधान**)... जो हम अनटैप्ड रिसोर्सेज है, हमारी लेबर कैपिटल है ...(**व्यवधान**)... उस हम कैसे बेहतर तरीके से दुनिया के सामने ले जा सकें। इसके लिए आपको पी.एफ. के सवाल को सिर्फ इससे नहीं बल्कि पूरे देश के विकास से लेकर जोड़ना होगा और इसके लिए जब तक आप प्रतिशत का उनको इंट्रस्ट नहीं देंगे, तब तक कोई लाभ नहीं होने वाला है ...(**व्यवधान**)... आज पी.एफ. पर जितने ज्यादा घोटाले हो रहे हैं और जितना ज्यादा....अनफेयरनेस ...(**व्यवधान**)... हो रहा है। घोटाला ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः बस हो गया ...(**व्यवधान**)... घोटाला ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दीकी: आपको अच्छे इकोनॉमिस्ट का एक पैनल बनाना चाहिए, जो यह बताए कि पीएफ का पैसा अच्छे तरीके से कैसे इन्वेस्ट किया जा सकता है ...(**व्यवधान**)... और उससे कैसे ज्यादा से ज्यादा फायदा लिया जा सकता है ...(**व्यवधान**)... इसके अलावा सरकार को जो दूसरी जगह से मुनाफे आ रहे हैं ...(**व्यवधान**)... आप जो डिसइन्वेस्टमेंट कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)... आप उस पैसे को ...(**व्यवधान**)... इसके लिए लगाइए तो ...(**व्यवधान**)... देश के लिए बेहतर होगा ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی "اتر پردیش" : سر، آج .....مداخلت...... عام آدمی .....مداخلت..... کئے جا رہے ہیں- سبھا پتی جی، وکاس .....مداخلت..... نہیں ہو سکتا- اگر دیش کا وکاس چاہئے تو آپ کو غریب کو، مزدور کو ساتھ لیکر چلنا پڑیگا .....مداخلت..... اگر آپ پی ایف کو مارکیٹ فورسیز کے ساتھ جوڑیں گے تو میں سمجھتا ہوں کہ ہمارے جیسے غریب دیش کا وکاس نہیں ہو سکتا .....مداخلت..... ہمیں مارکیٹ فورسیز سے الگ رکھ کر سوشل سیکورٹی کے سوال کو لیکر اور اس بات کو لیکر کہ کس طریقے سے .....مداخلت..... جو ہمارے ان ٹیپڈ ریسورسز ہیں، ہماری لیبر کیپٹل ہے .....مداخلت..... اسے ہم کیسے بہتر طریقے سے دنیا کے سامنے لے جا سکیں- اس کے لئے آپ کو پی ایف کے سوال کو صرف اس سے لیکر نہیں بلکہ پورے دیش کے وکاس سے لیکر جوڑنا ہوگا اور اس کے لئے جب تک آپ بارہ فیصد کا ان انٹرسٹ نہیں دیں،گے، تب تک کوئی فائدہ نہیں ہونے والا ہے .....مداخلت..... آج پی ایف پر جتنے زیادہ گھوٹالے ہو رہے ہیں اور زیادہ انفئیرینس .....مداخلت..... ہے .....مداخلت.....

†Transliteration in Urdu Script.

شری سبھا پتی : بس ہو گیا .....مداخلت..... گھوٹالہ .....مداخلت.....

شری شاہد صدیقی : آپ کو اچھے اکانامسٹ کا ایک پینل بنانا چاہئے- جو یہ بتائیں کہ پی ایف کا پیسہ اچھے طریقے سے کیسے انویسٹ کیا جا سکتا ہے .....مداخلت..... اس کے علاوہ سرکار کو جو دوسری جگہ سے منافے آرہے ہیں .....مداخلت..... آپ جو ڈس انویسٹمنٹ کر رہے ہیں .....مداخلت..... آپ اس پیسے کو .....مداخلت..... اس کے لئے لگائیے تو .....مداخلت..... دیش کے لئے بہتر ہوگا .....مداخلت.....

MR. CHAIRMAN: Please take your seat. Please take your seat. ठीक है, ठीक है।

SHRI C RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh) : Sir, we will not approve this decision of the Government. Sir, it is a totally retrograde decision that has been taken. I heard a number of times Prime Minister talking about the reforms with humane face. I do not know where is that human race. More than four crores of workers are being affected. I do not know how the Minister was dare enough to take such a decision. I have full sympathy because he is very sick. But he has made the entire working community sick. Sir, inflation is there. He should take care of the inflation also. The prices of essential commodities are soaring up and the social security, which is the need of the hour in this country, is being totally eradicated. Sir, it is a very retrograde step. The Finance Minister was very happy that without the commensurate and proportionate fundamentals of the economy going up, the Sensex is going up. Sir, when I weighed 500 kgs, I should run to a doctor, and not to feel happy. • Something is wrong with me. The Finance Mnister is very happy that it is going up because the economy is going up and there is a buoyancy in the economy. Sir, there is something wrong with the economy. There is something wrong with our nation. Sir, I fully condemn this incident. I will always support your correct decisions, as long a,s you are correct. Sir, one lakh crores of workers' money are being invested. One per cent is one. thousand crores. One thousand crores is being taken away from the pockets of the working coummunity. Sir, I appeal to the Government not to approve this and restore it to 9.5 per cent. Thank you

MR. CHAIRMAN: What is the reaction of the Government? *(Interruptions)* मैं ने आपको बताया न कि एक बार गवर्नमेंट का रिएक्शन सुन लीजिए ...(**व्यवधान**)...

प्रो.राम देव भंडारी (बिहार)**:** सभापति जी ...(व्यवधान)...

श्री सभापतिः नहीं, नहीं ...(**व्यवधान**)... देखिए, आपने मुझे कोई नोटिस नही दिया, कुछ लिखा नहीं ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)... इनको बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)... पहले उनको दीजिए ...(**व्यवधान**)... गवर्नमेंट की तरफ से रिस्पोंस लेते हैं ...(**व्यवधान**)... मैं अलाऊ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... किसी को अलाऊ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... जिन्होंने पहले नोटिस दिया है, मैं पहले उनका अलाऊ कर रहा हूं ...(**व्यवधान**)... और किसी को अलाऊ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... मैं नहीं बोलूंगा ...(**व्यवधान**)...

प्रो.राम देव भंडारीः सभापति जी, यह बहुत महत्वपूर्ण है ...(**व्यवधान**)...

SHRI N. JOTHI: Sir, we want to speak on this . *(Interruptions)*

श्री सभापतिः आप कह दीजिए कि मैं एसोसिएट करता हूं, इनकी फीलिंग से ...(**व्यवधान**)...

प्रो.राम देव भंडारीः सभापतिजी, हमारी भावना रिकार्ड पर जानी चाहिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः भावना यही है ...(**व्यवधान**)... कि जो भावना व्यक्त की हैं, उनका समर्थन करता हूं ...(**व्यवधान**)... मैं अलाऊ नहीं करूंगा।

SHRI N. JOTHI: We want to speak on this. *(Interruptions)*

प्रो.राम देव भंडारीः हम समर्थन कर रहे हैं सर ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. *(Interruptions)* Nothing will go on record एक मिनट भी नहीं ...(**व्यवधान**)... मैं एक मिनट भी अलाऊ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... आपको बताया न ...(**व्यवधान**)... आप इतना कह दीजिए ...(**व्यवधान**)... जो मोशन आया है ...(**व्यवधान**)... मैं उससे एसोसिएट करता हूं ...(**व्यवधान**)... किस्सा खत्म हुआ ...(**व्यवधान**)... मै अलाऊ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... मैं एक मिनट भी अलाऊ नहीं करुंगा ...(**व्यवधान**)... आप इसलिए नहीं है ...(**व्यवधान**)...You should have given prior notice to me. If you are very much interested in the subject, you should have given a notice. There is no notice given to me. I will not allow.*(Interruptions)* मैं अलाऊ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... मैं बिल्कुल अलाऊ नहीं

करुंगा... (व्यवधान)....मैं एक मिनट अलाऊ नही करुंगा जो आप बोल रहे हैं ...(व्यवधान).... वह रिकार्ड पर नही जा रहा है... (व्यवधान)... आप जो कह रहे हैं वह सब सही है...(**व्यवधान**)... इस पर जब गवर्नमेंट का जवाब आएगा, उस समय बोल लेना जो बोलना है... व्यवधाम)... No, no, I will not allow. You do whatever you like. I will not allow. आप एसोसिएट कर दीजिए... (व्यवधीन)... एक मिनट में कह दीजिए...(व्यवधान)... एक मिनट ठहरिए तो सही...(**व्यवधान**)... आप एसोंसिएट कर दीजिए किस्सा खत्म हुआ...(**व्यवधान**)... बोलिये...(**व्यवधान**)...

प्रो. राम देय भंडारीः

SHRI N. JOTHI:*

SHRI VAYALAR RAVI:*

SHRI MANOJ BHATTACHARYA:*

श्री सभापतिः आप एसोसिएट कर दीजिए, एक मिनट में कह दीजिए...(**व्यवधान**)... एक मिनट टहरिए तो सही...(**व्यवधान**)... आप एसोसेट कर दीजिए, खत्म हुआ किस्सा।

SHRI N. NOTHI: Sir, the decision of the Government is anti-labour. It is against the human nature. We are strongly condemning this decision of the Government and we associate ourselves with Shri Dipankar Mukherjee on this issue *...{Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: That is enough *...(Interruptions)...*

SHRI N. JOTHI: Sir, you allow me to speak only for one minute *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: I will not allow you beyond one minute *...(Interruptions)...*

SHRI N. JOTHI: Sir, we have heard what Shri Sitaram Yechury has said. He said, 'We will bite the Government on this issue'. I would say that instead of Mr. Yechury biting the people or kicking them, they can straight away March to the hon. President of India, withdraw the support and ooze them out so that a good Government will come.

प्रो. राम देव भंडारीः सभापति जी, यह देश के करोड़ो मजदूरों का सवाल है। मजदुरों का,इस देश को बनाने में, सजाने और सवारने में बहुत बड़ा योगदान है, लेकिन उनको सामान्य सुविधाएं भी उपलब्ध नही हो रही है ऐसी स्थिति में को **EPF** को घटाना उचित नही है। मै सरकार से अनुरोध करता हुं कि वह अपने फैसले को वापस ले।

*Not recorded.

श्री तारिक अनवर (महाराष्ट्र) सभापति जी, अभी दीपांकर मुखर्जी और सदन के तमाम सदस्यों ने जो भावना व्यक्त की है, यह बहुत ही महत्वपुर्ण विषय है। हम चाहेंगे की सरकार इस पर पुनर्विचार करे और मजदुरो के खून-पसीने की जोकमाई है। उस पर उनको अधिकार मिलना चहिए। यह लगातार मजदुरों के साथ अन्याय है, उस बात पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए।

SHRI MANOJ BHATTACHARYA (West Bengal): Sir, I am sorry to point out that this is another surrender to the "Washington Consensus" that subsidies should move from labour to capital. Today, by declaring reduction in the EPF rate, a vast number of unorganised sector workers will be exposed to further miseries. Unless the social security net is put in place and is properly implemented by the Government, the country cannot advance. So, I join my friends who have raised this issue and I implore upon you to ensure from your part that the Government does justice to the vast sections of the people, particularly the weaker sections of the people. Thank you.

श्री सुरेश पचौरीः सभापति जी, कर्मचारी भविष्य नीधी की ब्याज दरके संबंध में सम्मानित सदस्यों ने, चाए वह किसीभी राजनीतिक पार्टी क्यों न सम्बद्ध रहे हो, जो चिंता जाहिर की है,मै.. चिंता,, शब्द का जान बुझकर प्रयोग कर रहां हूँ, इसके विषय मे मैं मात्र यह कहना चाहता हुं कि यह विषय श्रम विभाग से संबंधित है और श्रम मंत्री जी अभी अस्वस्थ है, मै सदन की जो भावना है उससे माननीय प्रधानमंत्री जी को, श्रम मंत्री जी को अवगत करा दूँगा, लेकिन इसके साथ-साथ मै यह भी रेखांकित करनी चाहता हुं कि UPA की जो सरकार है वह श्रमिको के हितों के प्रति सचेत है और इसी बात को द्वष्टिगत रखते हुए, वह समुचित निर्णय लेगी।

SHRI YASHWANT SINHA (Jharkhand) Sir, I have given a notice *...(Interruptions)....*

श्री मुल चन्द मीणा(राजस्थान)सभापती जी...(**व्यवधान**)...

SHRI YASHWANT SINHA: It is a very important issue *...(Interruptions)....* Sir the entire house associates itself me on this *...(Intenvptions)....*

श्री सभापतिः वह सब सही है, लेकिन नोटिस देने कि एक प्रक्रिया है। आप इस समय मुझे नोटिस देकर बोलना चाहते हैं, मै किसी को भी नही **allow** करुंगा...(**व्यवधान**)...

श्री यशवंत सिन्हाः सभापती जी, दिस समय मेरे पास सूचना आई, उसी समय मैने नोटिस दे दिया था...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतीः मै नही करुंगा, मै किसी को नही **allow** करुंगा...(**व्यवधान**)...

श्री मूल चंद मीणाः यह गंभीर मामला है...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बोलने दीजिए, यह गंभीर मामला है, बैठिए। सभी गंभीर हो गए हैं, सिवाए मेरे।

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Shortage of LPG and black marketing of kerosene in the country

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal): Sir, I beg to call the attention of the hon. Minister of Petroleum and Natural Gas to the grave situation arising due to shortage of LPG and blackmarketing of kerosene in the country.

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI MANI SHANKARAIYAR): Sir, I lay a copy of the statement on the Table of the House.

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned for one hour.

The House then adjourned for lunch at fifty minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at fifty-three minutes past one of the clock.

MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (RAILWAYS) 2005-06

श्री मुल चन्द मीणा (राजस्थान) डिप्टी चेयरमैन सर, मै ने एक नोटिस दिया था...(**व्यवधान**)...

उपसभापतिः बैठिए...(**व्यवधान**)...

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान)**:** "ने" के लड़के के साथ ...(**व्यवधान**)... तेल का धंधा किया था ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is not the Zero Hour. *(Interruptions)* बैठिए ...(**व्यवधान**)... नही,नही...(**व्यवधान**)... नाम रिकार्ड पर नहीं आएगा ...(**व्यवधान**)...नाम नहीं आएगा ...(**व्यवधान**)...आप बैठिए ...(**व्यवधान**)...Are you ready, Mr. Minister? *(Interruptions)* Supplementary Demands for Grants (Railways) 2005-06 *(Interruptions)*

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI R. VELU): Sir, I lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants (Railways) for the year 2005-06 *...(Interruptions)....*

---

*Not recorded.